सतना-मैहर मार्ग का काम कछुआ चाल,चित्रकूट प्रोजेक्ट अब भी फाइलों में कैद

घोषणा के दो दशक बाद भी अधूरा है राम वन पथ गमन

सतना। भगवान श्रीराम की तपोभूमि को जोड़ने वाले महत्वाकांक्षी 'राम वन पथ गमन' परियोजना की जमीनी हकीकत आज भी सरकारी लेटलतीफ़ी और सुस्ती का शिकार है। लगभग दो दशक पहले घोषित हुई इस योजना की रफ्तार इतनी धीमी है कि उत्तर प्रदेश सरकार जहाँ अयोध्या से चित्रकूट तक अपने हिस्से का काम लगभग पूरा कर चुकी है,वहीं मध्य प्रदेश के हिस्से में यह प्रोजेक्ट अब भी अधर में लटका है। इस पूरे प्रोजेक्ट को दो मुख्य भागों में बांटा गया था,पहला भाग सतना से मैहर और दूसरा भाग सतना से चित्रकूट। दोनों ही भागों की वर्तमान स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आपको बता दें सतना से मैहर

मार्ग के निर्माण की कुल लागत 350 करोड़ रुपये है। हालांकि,केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसका वर्चुअल उद्घाटन भी कर दिया था,लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। इस मार्ग का निर्माण कार्य वैसे तो लगभग पूरा हो चुका है,लेकिन 3.5 किलोमीटर का पैच अभी भी अधूरा है। समय पर भूमि अधिग्रहण न हो पाना और निर्माण एजेंसी को समय पर भुगतान न मिलना इसकी मुख्य वजह रही। फंड और जमीन के अभाव में पहली एजेंसी ने काम बंद कर दिया था। लंबे समय तक चले सवाल-जवाब और प्रशासनिक हीलाहवाली के बाद अब दूसरी निर्माण एजेंसी को काम सौंपा गया है,लेकिन इसके बावजूद काम की रफ्तार 'कछुआ चाल' बनी हुई है। इसी तरह राम वन गमन पथ का दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा सतना से चित्रकूट मार्ग है,जिसकी अनुमानित लागत 2500 करोड़ रुपये है। करोड़ों रुपये के इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भारी उदासीनता देखी जा रही है। इस रूट पर निर्माण कार्य शुरू होना तो दूर,अब तक इस पूरे मार्ग की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तक बनकर तैयार नहीं हो पाई है। इस योजना को लेकर सबसे बड़ा सवालिया निशान इसकी कार्यप्रणाली पर उठता है। एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या से लेकर चित्रकूट तक अपने हिस्से के राम वन गमन पथ का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया है,वहीं मध्य प्रदेश के सतना जिले में करोड़ों की यह योजना प्रशासनिक लापरवाही और लचर व्यवस्था के दलदल में फंसी हुई है। धार्मिक और पर्यटन के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण इस मार्ग का इंतजार श्रद्धालु और स्थानीय जनता सालों से कर रही है। नागरिकों का कहना है कि सरकार को चाहिए रामबन पथ गवन का काम तेज गति से हो।

खबर संक्षेप

मैहर-कटनी रोड पर खड़ी बस में ट्रक ने मारी टक्कर

मैहर। मैहर-कटनी मार्ग पर गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि सतना से हैदराबाद जा रही एक यात्री बस का टायर बदलने के दौरान पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कई यात्री घायल हो गए हैं,जबकि एक व्यक्ति की मौत की सूचना आ रही है। हालांकि मृतकों और घायलों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि प्रशासन द्वारा अभी नहीं की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,बस सड़क किनारे खड़ी थी और उसका टायर बदला जा रहा था। इसी दौरान तेज गति से आए ट्रक ने पीछे से बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मैहर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर पुलिस बल और एम्बुलेंस तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की गई। पुलिस और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पहली ही बारिश में मैहर नगर की बदहाल व्यवस्था उजागर

मैहर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेश घई रोमी ने कहा कि पहली ही बारिश ने नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही और अपर्याप्त तैयारियों की हकीकत सामने ला दी है। नगर के अनेक क्षेत्रों एवं वार्डों में नालियां बजबजा रही हैं,जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। जगह-जगह जलभराव और गंदगी के कारण आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई वार्डों में पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से बदबू,मच्छरों का प्रकोप और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो बारिश के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। धर्मेश घई रोमी ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि सभी वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए,जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा नियमित दवा का छिड़काव कराया जाए। साथ ही जिन स्थानों पर नालियां जाम है,वहां तत्काल स्थायी समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रशासन को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिना अविलंब आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

17 जुलाई को जनपद कार्यालय मैहर में लगेगा शिविर- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लंबित एवं निरस्त ऋण प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष शिविर आयोजित मैहर। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग अंतर्गत जिला हाथकरघा कार्यालय सतना द्वारा एमएसएमई विभाग,भारत सरकार की प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत ऐसे आवेदकों को राहत प्रदान करने के लिए विशेष पहल की गई है,जिनके ऋण प्रकरण बैंक शाखाओं द्वारा विभिन्न कारणों से निरस्त कर दिए गए हैं या अभी तक लंबित हैं। विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि कई प्रकरण आवेदकों से संपर्क न हो पाने अथवा अन्य छोटे-मोटे कारणों से निरस्त हो गए थे,वहीं अनेक आवेदन बैंक स्तर पर लंबित हैं।

युवा संगम रोजगार मेला 16 जुलाई को शासकीय आईटीआई मैहर में

मैहर। जिला प्रशासन,जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई के सहयोग से 16 जुलाई को प्रातः11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय आईटीआई कालेज हरनामपुर मैहर में युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी मैहर ने बताया कि रोजगार मेले में स्वतंत्र फाइनेंस,प्राकृतशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड,देवा इंटरप्राइजेज,ग्लोबल मैन पावर लिमिटेड गुजरात, केवी हयुमन रिसोर्स लिमिटेड,सीआईआई एमसीसी पुणे,प्रगतिशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड,यूनो मिण्डा,किशवी कन्सुलटिंग कार्पोरेशन,इनफिनिटी कैरियर सोल्युशन,रॉयल स्टाफिंग,तथा मुन्द्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड में शैक्षणिक योग्यता 18 वीं,12 वीं ईटीआई,डिप्लोमा,ग्रेजुएशन उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

मैहर जा रहे श्रद्धालुओं की ऑटो पलटी: टायर फटने से हाईवे किनारे खाई में गिरा वाहन, 5 घायल

सतना। नेशनल हाईवे 30 पर ग्राम रिगरा के पास एक तेज रफ्तार ऑटो का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब 10 फीट गहरी खाई में जा पलटा। इस हादसे में ऑटो सवार 5 लोग घायल हो गए हैं।

मुंडन संस्कार के लिए जा रहा था परिवार

जानकारी के अनुसार,रीवा जिले के गुढ़ से एक परिवार बच्चे का मुंडन करवाने के लिए माँ शारदा माता मंदिर,मैहर जा रहा था। ऑटो में कुल 8 लोग सवार थे। जैसे ही ऑटो देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 पर ग्राम रिगरा के पास पहुँचा,अचानक उसका टायर फट गया। रफ्तार तेज होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ऑटो खाई में गिर गया।

अस्पताल में चल रहा इलाज

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची 108 एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन लाया गया,जहाँ उनका उपचार जारी है।

कारण बताओ नोटिस का उपयंत्री ने दिया जवाब: भालू के डर और पुरानी रंजिश के कारण हाथ में ली थी बंदूक'

सतना। जनपद पंचायत मझगवां में पदस्थ उपयंत्री सतीश कुमार समेले ने सोशल मीडिया पर बंदूक के साथ वायरल वीडियो के मामले में जिला प्रशासन द्वारा जारी 'कारण बताओ नोटिस' का जवाब दे दिया है। उपयंत्री ने अपने स्पष्टीकरण में कहा है कि उनके पास साल 2005-06 से वैध शस्त्र लाइसेंस है, जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2028 तक है। उन्होंने बताया कि वह शासकीय कार्य के सिलसिले में ग्राम हीरांदी से 3-4 किलोमीटर दूर एक सुनसान इलाके में पुलिया का निरीक्षण करने गए थे। वहां एक दिन पहले ही भालू देखा गया था,जिसके चलते सुरक्षा के लिहाज से उन्होंने शस्त्र हाथ में लिया था। वह स्थान आबादी से दूर था। इसके अलावा,उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा कि उनके पिता की राजनीतिक सक्रियता और उनके स्वयं व पत्नी के पत्रकारिता की पृष्ठभूमि (माफियाओं के खिलाफ खबरें छापने) के कारण कई लोग उनके दुश्मन हैं। उन पर पूर्व में दो बार गोलियां भी चल चुकी हैं। उपयंत्री ने पिछले 20 वर्षों में कोई शिकायत न होने का हवाला देते हुए नोटिस को फाइल (नस्तीबद्ध) करने का अनुरोध किया है।

रीवा कमिश्नर ने मैहर में ली समीक्षा बैठक, विकास कार्यों और प्राथमिकताओं की हुई पड़ताल

मैहर।

रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह द्वारा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली गई। बैठक में सरकार की प्राथमिकताओं वाली योजनाओं,क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों और विभिन्न विभागों की उपलब्धियों की बिंदुवार और विस्तृत समीक्षा की गई। कमिश्नर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक समय पर पहुँचना चाहिए,उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता और गति बनाए रखने के भी कड़े निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर

श्रीमती बिदिशा मुखर्जी पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह अपर कलेक्टर सुश्री संजना जैन सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह एसडीएम डॉ.आरती सिंह एवं एसपी मिश्रा डिप्टी कलेक्टर सुश्री आशिमा पटेल और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न,'हिट एंड रन' और 'कैशलेस ट्रीटमेंट' पर हुई चर्चा

सतना

। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से हिट एंड रन के मामलों,जीरो फेटेलिटी (शून्य मृत्यु दर) के लक्ष्य और घायलों को मिलने वाले कैशलेस ट्रीटमेंट (निशुल्क इलाज) सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को नियमों का सख्ती से पालन कराने और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिशा-निर्देश दिए। इस उच्च

स्तरीय बैठक में जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे,जिनमें पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना,अपर कलेक्टर विकास सिंह,एसडीएम राहुल सिलाडिया एवं सुभाष मिश्रा डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे डिप्टी कमिश्नर नगर निगम सत्यम मिश्रा इसके साथ ही परिवहन,लोक निर्माण विभाग,स्वास्थ्य,पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी बैठक में सम्मिलित हुए।

स्लीमनाबाद टनल निर्माण अंतिम चरण में

14 जुलाई तक काम होगा पूरा 15 को कर्मयोगियों का सम्मान

मैहर। कटनी जिले में स्थित भारत की सबसे लंबी भूमिगत सिंचाई/जल सुरंग सुरंग? बरगी व्यपवर्तन परियोजना का मुख्य हिस्सा जो नर्मदा नदी के पानी को विध्य क्षेत्र के सूखाग्रस्त इलाकों तक पहुंचाने के लिए बनाई गई है।

वर्षों से लंबित टनल निर्माण अब पूर्णता की ओर है। सतना सांसद गणेश सिंह ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग का मात्र 38 मीटर कार्य शेष है,जो 14 जुलाई 2826 तक पूरा हो जाएगा। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को सफल बनाने वाले सभी कर्मयोगियों का 15 जुलाई को स्लीमनाबाद में भव्य सम्मान किया जाएगा। इस टनल के पूरी तरह चालू होने से मध्य प्रदेश के 5 से 6 जिलोंकटनी, मैहर, सतना, पन्ना और रीवा के लगभग 1.85लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सिंचाई का पानी मिलेगा और कटनी को पेयजल की आपूर्ति होगी।

विधायक की पहल देवरी में लगे 2 विद्युत ट्रांसफार्मर

मैहर।

मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी की पहल से मैहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी को एक सप्ताह में दो ट्रांसफार्मर 100 के वी एवं 63 के वी उपलब्ध कराए गए है जिससे किसानों को जहां एक ओर बड़े पैमाने में होने वाली खेती में बड़ी राहत मिली तो वहीं दूसरी ओर गांव में बरसात के अंधेरे में जहरीले कीड़े मकोड़े से होने वाली दुर्घटनाओं में भी अंकुश लग पाया। इस कार्य को लेकर ग्राम पंचायत की जनता ने मैहर विधायक का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लगातार मैहर विधायक द्वारा क्षेत्र की जनता के लिए समर्पित रहना एक जनप्रतिनिधि की अच्छी सोच एवं कार्यशैली को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

वर्षाकाल में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति से निपटने के लिए समय पूर्व करें आवश्यक तैयारियां- कलेक्टर

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार ने कहा है कि वर्षाकाल के पूर्व जिले में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति से बचाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर लें। संभावित बाढ़ की स्थिति वाले क्षेत्र और ग्रामों में जनहानि और वर्षाजनित बीमारियों से बचाव के भी माकूल प्रबंध सुनिश्चित हों। अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पाबंद किया जाए। साथ ही समय पूर्व वैकल्पिक व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दें। जिला कलेक्टर ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए। इस संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों से आपदा प्रबंधन के संबंध में अब तक की गई तैयारियों की जानकारी लेकर कार्ययोजना मुताबिक कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि बाढ़ आपदा की स्थिति में प्राथमिकता के साथ बचाव और राहत कार्य जरूरी है। इसके लिए सूचना तंत्र को सुदृढ़ करें और किसी भी आपात स्थिति की सटीक सूचना पर समन्वय के साथ बचाव कार्य को अंजाम दें। डूब वाले क्षेत्रों में त्वरित रूप से कार्य कर प्रभावित लोगों को अस्थाई शिविर में विस्थापित करना आवश्यक है। संभावित खतरे और समस्या पर चर्चा कर इसके लिए जरूरी उपायों पर विचार विमर्श किया गया। लोक निर्माण विभाग सहित प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क के तहत आवश्यकतानुसार रोड मरम्मत के निर्देश भी दिए गए। सिल्वर फॉल और बृहस्पति कुंड जैसे स्थानों पर विशेष निगरानी की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद पंचायत सीईओ भी उपस्थित रहे।

1.95 लाख नकदी सहित जेवरात किये चोरी

कटनी। उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर अंतर्गत एमईएस कालोनी में चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहाँ एक कास्मेटिक कारोबारी के सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद से क्षेत्र के व्यापारियों और नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है। वारदात 6 और 7 जुलाई की दरम्यानी रात की बताई जा रही है। मकान मालिक और कास्मेटिक कारोबारी अनिल कलवानी अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर ससुराल गए हुए थे। मकान को सूना पाकर अज्ञात चोरों ने दाखिल होकर भीतर रखी आलमारी का ताला तोड़ दिया। कारोबारी के अनुसार चोर आलमारी में रखे 1,95,000 नगद सहित सोने की चेन और लॉकेट, सोने-चांदी के कान के बाले व अन्य कीमती जेवरात लेकर चंपत हो गए। परिवार ससुराल से वापस लौटा तब घर के बिखरे हुए सामान और टूटे ताले को देखकर चोरी की इस वारदात का खुलासा हुआ।

डिजिटल जीवन प्रमाणन हेतु विशेष अभियान जारी

कटनी। शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) अंतर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का डिजिटल जीवन प्रमाणन समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा सात दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन ने सभी पात्र पेंशन हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने वार्ड में नियुक्त निगम कर्मचारियों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं तथा डिजिटल जीवन प्रमाणन की प्रक्रिया में सहयोग करें। समय पर जीवन प्रमाणन पूर्ण होने से पेंशन राशि का भुगतान निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

पन्ना को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन नगरी बनाने का संकल्प, 15 जुलाई से शुरू होगा भव्य धार्मिक महोत्सव -बृजेंद्र प्रताप सिंह

श्री जुगल किशोर सरकार धाम की महिमा कथा के माध्यम से पहुंचेगी देश-विदेश तक

पन्ना।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया की इस महाआयोजन का उद्देश्य केवल श्रीमद्भागवत कथा, श्रीभक्तमाल कथा और गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन करना नहीं, बल्कि पन्ना को सनातन आस्था के एक प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय तीर्थ क्षेत्र के रूप में स्थापित करना है। आज पन्ना की पहचान हीरों की नगरी और पन्ना टाइगर रिजर्व के कारण है, जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि श्री श्री 1008 श्री जुगल किशोर सरकार धाम भगवान श्रीकृष्ण की स्वयं प्रकट हुई सप्त निधियों में से एक दिव्य धाम है। इस दिव्य परंपरा का व्यापक प्रचार-प्रसार अभी तक नहीं हो पाया, इसलिए देश के पूज्य संतों, आचार्यों और कथावाचकों के माध्यम से इसकी महिमा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है। श्री सिंह ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन श्री जुगल किशोर सरकार मंदिर में ही संत समाज की सामूहिक इच्छा और आस्था के अनुरूप किया जा रहा है। प्रारंभ में बड़े मैदान में आयोजन का विचार रखा गया था, किंतु संतों ने स्पष्ट कहा कि जब स्वयं भगवान श्री जुगल किशोर सरकार इस धाम में विराजमान हैं, तो कथा भी उनके श्रीचरणों में ही होनी चाहिए। उनका विश्वास था कि यह भगवान का कार्य है और उनकी कृपा से सभी व्यवस्थाएँ स्वतः पूर्ण होंगी। उन्होंने कहा कि आज वृंदावन के श्री राधारमण जी, श्री बाँके बिहारी जी तथा जयपुर के श्री गोविंद देव जी के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु पहुँचते हैं क्योंकि उनकी महिमा सदियों से संतों और धर्माचार्यों के माध्यम से विश्वभर में पहुँची है। पन्ना के श्री जुगल किशोर सरकार धाम के साथ ऐसा व्यापक प्रचार अभी तक नहीं हो सका। हमारा उद्देश्य इसी कमी को दूर करना है, ताकि श्रद्धालु इस दिव्य धाम के वास्तविक महत्व से परिचित हों। श्री सिंह ने कहा कि हमें विश्वास है कि जब देशभर के संत-महात्मा और कथावाचक श्री जुगल किशोर सरकार की महिमा का वर्णन करेंगे, तब लाखों श्रद्धालु पन्ना आने का संकल्प करेंगे। इससे धार्मिक चेतना का विस्तार होगा, धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, व्यापार और सेवा के नए अवसर विकसित होंगे। हमारा संकल्प है कि आने वाले वर्षों में पन्ना केवल हीरों की नगरी नहीं, बल्कि श्री जुगल किशोर सरकार की कृपा से सनातन आस्था, भक्ति और धार्मिक पर्यटन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करे। श्री सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सनातन वैष्णव परंपरा में भगवान श्रीकृष्ण की ष्सप्तनिधिष् का अत्यंत विशेष महत्व है। मान्यता है कि कलियुग में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों पर कृपा करने के लिए सात दिव्य स्वरूपों में स्वयं प्रकट होकर ब्रजभूमि को धन्य किया। इनमें श्री गोविंद देव जी, श्री मदनमोहन जी, श्री राधा गोपीनाथ जी, श्री राधारमण जी, श्री राधावल्लभ जी, श्री बाँके बिहारी जी तथा श्री श्री 1008 श्री जुगल किशोर सरकार प्रमुख हैं। समय-समय पर भगवान ने अपने परम भक्तों और रसिक संतों को दिव्य प्रेरणा देकर इन विग्रहों का प्राकट्य कराया। इन्हीं सप्तनिधियों में श्री हरिराम व्यास जी महाराज की प्रेरणा से प्रकट हुए श्री जुगल किशोर सरकार आज पन्ना की पुण्यभूमि में विराजमान हैं, जो इस धाम का परम सौभाग्य है। वैष्णव आचार्यों का मत है कि इन दिव्य विग्रहों के दर्शन से भक्ति दृढ़ होती है और भगवान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। 15 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित

यह महोत्सव केवल श्रीमद्भागवत कथा नहीं, बल्कि संत परंपरा, वैष्णव संस्कृति, भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक चेतना का विराट संगम है। 15 जुलाई को भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। 16 से 22 जुलाई तक परम पूज्य स्वामी श्री राजेन्द्र दास देवाचार्य जी महाराज (श्रीधाम वृंदावन) के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा होगी। 23 से 27 जुलाई तक श्री श्री 108 महंत स्वामी किशोरदास जी महाराज द्वारा श्रीभक्तमाल कथा तथा प्रतिदिन रासाचार्य पं. श्री कुंजविहारी शर्मा (भैयाजी) द्वारा भव्य रासलीला प्रस्तुत की जाएगी। भक्ति संगीत में साध्वी पूर्णिमा दीदी, बाबाजी चित्रविचित्र जी महाराज, अमित धुवे, यश गोपाल श्रीवास्तव तथा गुरु पूर्णिमा पर संजो बघेल अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। महोत्सव में श्री राम प्रवेश दास जी महाराज, स्वामी सुतीक्ष्ण दास देवाचार्य जी महाराज, वल्लभाचार्य जी महाराज, श्री सनत कुमार दास जी महाराज, रावतपुरा सरकार, श्री अनुग्रह दास जी महाराज, मुखिया श्री अलबेली शरण जी महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त होगा। साथ ही पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एवं पूज्य श्री इन्द्रेश उपाध्याय जी महाराज का आगमन भी प्रस्तावित है। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव, गुरुपूजन और महाभंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। श्री सिंह ने कहा कि पन्ना को धार्मिक पर्यटन की नई पहचान दिलाने का आधार इसकी आध्यात्मिक विरासत है। यहाँ श्री जुगल किशोर सरकार धाम के साथ प्राणनाथ जी मंदिर, बलदेव जी मंदिर और भगवान श्रीराम के वनगमन से जुड़े पावन स्थल हैं, वहीं दूसरी ओर पन्ना टाइगर रिजर्व, राणेह जलप्रपात, पाण्डव फॉल्स, बृहस्पति कुंड और हीरों की नगरी जैसी प्राकृतिक धरोहरें भी हैं। जब संत समाज, कथावाचक, मीडिया और डिजिटल माध्यमों से श्री जुगल किशोर सरकार की महिमा देश-विदेश तक पहुँचेगी, तब लाखों श्रद्धालुओं का आगमन बढ़ेगा। इससे धार्मिक पर्यटन के साथ होटल, धर्मशाला, परिवहन, प्रसाद, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में पन्ना केवल हीरों की नगरी नहीं, बल्कि श्री जुगल किशोर सरकार की कृपा से सनातन आस्था, भक्ति और धार्मिक पर्यटन के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित हो।

पूर्व मंत्री विधायक पन्ना ने कहा कि यह महोत्सव किसी भी प्रकार से राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं है। इसका लक्ष्य पूर्णतः धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक है। भगवान के दरबार में न सत्ता पक्ष होता है, न विपक्षकृवहाँ केवल भक्त और भगवान का संबंध होता है। इसलिए इस आयोजन में सभी राजनीतिक दलों, सभी समाजों और प्रत्येक सनातन श्रद्धालु का समान भाव से स्वागत है। अभी किसी भी चुनाव में लंबा समय शेष है, इसलिए इसे राजनीति से जोड़ना उचित नहीं है। हमारा उद्देश्य केवल इतना है कि श्री जुगल किशोर सरकार की महिमा देश-विदेश तक पहुँचे, पन्ना की आध्यात्मिक पहचान स्थापित हो और धार्मिक पर्यटन के माध्यम से स्थानीय व्यापार, रोजगार, होटल, परिवहन तथा छोटे व्यवसायों को नई गति मिले। यह आयोजन पन्ना के भविष्य के विकास का एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अभियान है।

भक्तिमाल कथा का आयोजन पन्ना में एक नया अनुभव एवं समाज में परिवर्तन की दिशा में एक अनोखा कदम साबित होगा

श्री सिंह ने कहा कि भक्तमाल कथा सनातन धर्म की अमर भक्ति परंपरा का जीवंत इतिहास है। इसमें उन महान संतों और भक्तों के जीवन का वर्णन है, जिन्होंने निष्काम प्रेम, तप, त्याग और समर्पण से भगवान को प्रसन्न किया। यह कथा केवल भगवान और भक्त के दिव्य संबंध का परिचय नहीं कराती, बल्कि समाज को सेवा, विनम्रता, करुणा और सदाचार का संदेश भी देती है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें केवल ब्रज के संतों का ही नहीं, बल्कि बुंदेलखंड और पन्ना की गौरवशाली संत परंपरा का भी वर्णन होगा। विशेष रूप से पन्ना के पूज्य संत श्री हिम्मत दास जी महाराज सहित अनेक संतों के तप, त्याग और लोककल्याणकारी जीवन से नई पीढ़ी को परिचित कराया जाएगा। आज का युवा अपने आध्यात्मिक आदर्शों से दूर होता जा रहा है, ऐसे समय में भक्तमाल कथा उसे अपनी संस्कृति, संत परंपरा और सनातन मूल्यों से पुनः जोड़ने का माध्यम बनेगी। पन्ना के मंदिरों के विकास को लेकर हमारा विजन किसी एक मंदिर तक सीमित नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पन्ना को विश्वस्तरीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन नगरी के रूप में स्थापित करने का है। इसी उद्देश्य से ष्श्री जुगल किशोर लोकष् की परिकल्पना की गई, जिसका प्रथम चरण पूर्ण हो चुका है। साथ ही श्री बलदेव जी मंदिर, श्री राम-जानकी मंदिर, श्री प्राणनाथ मंदिर,श्री जगन्नाथ मंदिर,श्री गोविन्द मंदिर,श्री सारंग धाम सहित राम पथ गमन मार्ग तथा अन्य प्रमुख देवालयों को एक धार्मिक परिपथ के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य हो रहा है। हमारा प्रयास है कि श्रद्धालुओं को दिव्य दर्शन के साथ आधुनिक सुविधाएँकृधर्मशाला, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना केंद्र और सुगम दर्शनकृभी उपलब्ध हों। पन्ना की आध्यात्मिक विरासत को यदि संत समाज, शासन और जनसहभागिता के सहयोग से व्यवस्थित रूप से विकसित किया गया, तो आने वाले समय में पन्ना मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों में अपना विशिष्ट स्थान बनाएगा। हमारा संकल्प है कि पन्ना केवल हीरों की नगरी नहीं, बल्कि श्री जुगल किशोर सरकार की कृपा से सनातन धर्म, भक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की नई राजधानी के रूप में विश्वभर में प्रतिष्ठित हो।

भाजपा प्रदेश मंत्री का अमानगंज मंडल ने किया जोरदार स्वागत

मंडल संगठन के अध्यक्ष श्रीफल लाल चुनरी देकर किया सम्मान

अमानगंज। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह जी आज अपने काफिले के साथ अमानगंज मंडल पहुंची जहां मंडल संगठन के अध्यक्ष डॉ प्रशांत चतुर्वेदी वीरू भैया के नेतृत्व में पार्टी संगठन के सभी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत भारी आतिशबाजी और ढोल नगाड़े के साथ किया। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्प गुछ देकर उनका सम्मान किया आप पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय नगर निकाय कार्यालय में विराजमान हुई जहां मंडल संगठन के अध्यक्ष ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का विधिवत परिचय कराने के साथ ही पार्टी संगठन की बढ़ती मजबूती पर चर्चा भी की इसी बीच मंडल संगठन के अध्यक्ष डॉक्टर प्रशांत चतुर्वेदी ने श्रीफल और एक लाल चुनरी

देकर उनका सम्मान किया याद हो की आप दमोह जिले की प्रभारी भी हैं। जहां संगठन का काम मजबूती से अभी वर्तमान में कराया जा रहा है आज के आयोजन में किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रदीप अवस्थी मंडल संगठन की ओर से महामंत्री राजा प्रजापति मंडल संगठन के उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी उपाध्यक्ष अरविंद दुबे उपाध्यक्ष आनंद सिंह राजपूत मीडिया प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा पुरुषोत्तम तिवारी जी दीपांशु गौतम प्रवीण सोनी रामू सोनी विजय सक्सेना अमित चंनपुरिया धालू राजा मुकेहा महेश अहिरवार शहर संगठन के विभिन्न पदाधिकारी बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे इस मौके पर पार्टी संगठन की कार्यकर्ताओं में आगामी आयोजन के लिए उनसे समय की मांग भी की जो जल्द ही उन्होंने पूरी करने की बात कही।

पिपरवाह बायपास पर सड़क हादसे में युवक की मौत, जेके सीमेंट कंपनी के ट्रक से हुआ हादसा

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरवाह बायपास मोड़ पर हुए सड़क हादसे में एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम ददेरा, थाना मड़ला निवासी पप्पू आदिवासी (45) ने थाना अमानगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका छोटा पुत्र अर्जुन आदिवासी (26) 8 जुलाई को अपनी मोटरसाइकिल से अमानगंज स्थित अपनी बुआ के घर आया था और रात वहीं रुका था। 9 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे वह घर लौट रहा था। इसी दौरान पिपरवाह बायपास मोड़ पर पिपरवाह की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे ट्रक क्रमांक छस01।ळ9406 ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने

परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के पिता पप्पू आदिवासी पन्ना से अमानगंज पहुंचे और थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। अमानगंज पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 106(1) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों एवं ट्रक चालक की पहचान करने में जुटी है।

पन्ना में निजी स्कूल बने लूट के अड्डे शिक्षा का हो रहा व्यापार

लूट रहे अभिभावक जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग मौन

पन्ना। पन्ना जिले में निजी स्कूलों की मनमानी चरण सीमा पर चल रही है अभिभावकों से मनमानी फीस वसूली जा रही है इसके अलावा पुस्तकों एवं अन्य सामग्री के नाम पर भारी भरकम राशि ली जा रही है। कक्षा 1 से 5 तक के मासूमों के बस्ते पर रकमीशनर का बोझ, लगातार बढ़ रहा है रुपये एक हजार का कोर्स पांच हजार में खरीदने को अभिभावक मजबूर हैं। जिले में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही निजी स्कूलों की खुली लूट और मनमानी एक बार फिर चरम पर पहुंच गई है।

शासन और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (छभ्ब्) के कड़े निर्देशों के बावजूद, पन्ना मुख्यालय सहित पवई, गुन्नौर और अजयगढ़ के निजी स्कूल अभिभावकों की जेब पर खुलेआम डाका डाल रहे हैं। सबसे बुरा हाल कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक के प्राथमिक विभागों का है, जहाँ बच्चों को जबरन निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। छब्म्ज् का कोर्स दरकिनार, कर 10 गुना महंगे दामों पर किताबें विक्रय हो रही हैं नियमों के मुताबिक, स्कूलों को सस्ती और प्रामाणिक छब्म्ज्/राज्य शिक्षा केंद्र की पुस्तकें ही लागू करनी चाहिए। पन्ना के पुस्तक विक्रेताओं के अनुसार, कक्षा 1 से 5 तक का पूरा छब्म्ज् सेट महज रुपये 1000 के भीतर आ जाता है। लेकिन निजी स्कूल प्रबंधन ने निजी प्रकाशकों से सांठगांठ कर ऐसे भारी-भरकम कोर्स तैयार किए हैं, जिनकी कीमत रुपये 5,000 तक पहुंच रही है। अभिभावकों का आरोप है कि जो सामान्य ज्ञान या नैतिक शिक्षा की किताबें रुपये 50 में मिलनी चाहिए, उनके बदले रुपये 300 से रुपये 600 वसूले जा रहे हैं।

कमीशन का खेल, चिन्हित दुकानों से ही खरीदी का दबाव

स्कूलों की मनमानी यहीं नहीं रुकती। अभिभावकों और स्कूली छात्रों से स्कूल प्रबंधन द्वारा या शिक्षकों द्वारा एक विशेष दुकान का पता बताया जाता है और कहा जाता है इस दुकान में किताबे उपलब्ध हो चुकी हैं। और साफ तौर पर निर्देश दिया जाता है कि ये किताबें शहर की केवल एक या दो चुनिंदा दुकानों पर ही मिलेंगी। इस श्मोनोपॉलीश के पीछे लाखों रुपये के कमीशन का खेल चल रहा है। यदि कोई अभिभावक अन्य दुकान से या पुरानी किताबें लेने की कोशिश करता है, तो बच्चों को क्लास में प्रताड़ित किया जाता है और कॉपियों की जांच न करने की धमकी दी जाती है।

नाकाम और मूकदर्शक बना पन्ना प्रशासन

इस पूरी लूट में पन्ना का जिला शिक्षा विभाग (और स्थानीय प्रशासन पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। पड़ोसी जिलों (जैसे सतना) में कलेक्टर्स ने ऐसी मनमानी पर लाखों का जुर्माना ठोका है, लेकिन पन्ना में अधिकारी केवल श्जांच करेंगेश और श्शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगीश जैसे रटे-रटाए बयानों के पीछे छिपे हुए हैं। प्रशासन की इसी ढिलाई के कारण निजी स्कूल संचालकों के हौसले बुलंद हैं और वे सरेआम सरकारी आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बढ़ती महंगाई और ऊपर से स्कूलों की इस मनमानी से पन्ना के मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों की कमर टूट चुकी है। परेशान अभिभावकों का कहना है कि यदि प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेकर इन निजी प्रकाशकों की किताबों पर रोक नहीं लगाई और छब्म्ज् कोर्स अनिवार्य करना चाहिए इस महंगाई के दौर में घर का आधे से अधिक बजट शिक्षा और स्वास्थ्य में खर्च हो जाता है। अगर स्कूल प्रबंधन द्वारा इस तरह की मनमानी की जाती है तो बच्चों को पढ़ाना बहुत महंगा पड़ रहा है जिसको लेकर अभिभावकों में निजी स्कूल प्रबंधन एवं प्रशासन के प्रति रोष बढ़ रहा है। इस दिशा में प्रशासन को कड़ा कदम उठाना चाहिए और निजी स्कूलों में एनसीईआरटी के अलावा बाहर से अन्य प्रकाशकों की मिलने वाली किताबों में प्रतिबंध लगाना चाहिए।

इनका कहना है -

मेरे पास अभी तक किसी अभिभावक की इस प्रकार की शिकायत नहीं आई अगर किसी की शिकायत आती है तो निजी स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और यह बात आपके द्वारा संज्ञान में लाई गई है, यदि कोई निजी स्कूल एनसीईआरटी किताबों के अलावा छात्रों या अभिभावकों को विशेष दुकान या विशेष प्रकाशक की किताबें खरीदने के लिए बाध्य करता है तो वह आकर हमसे शिकायत करे, जिससे उस स्कूल के खिलाफ कार्यवाही की जा सके।

श्रीमती उषा परमार
कलेक्टर जिला पन्ना।

पीएससी में असिस्टेंट प्रोफेसर बने राघवेंद्र सिंह परमार, देवेंद्रनगर और पन्ना जिले का बढ़ाया गौरव

देवेंद्रनगर।

ग्राम सिमरी डूबे निवासी राघवेंद्र सिंह परमार, पिता वीरेंद्र सिंह परमार, का मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (च्ैब्) के माध्यम से असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन होने से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल देवेंद्र नगर बल्कि पूरे पन्ना जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर नगर पंचायत देवेंद्र नगर के सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिवांगी ललित गुप्ता ने राघवेंद्र सिंह परमार का शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता हरदेव सिंह, शिक्षा जगत के वरिष्ठ हस्ताक्षर रामलखन शुक्ला सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राघवेंद्र को बधाई देते हुए उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया। वहीं सीबीएमओ डॉ. अभिषेक जैन ने भी अपने निवास पर राघवेंद्र सिंह परमार को आमंत्रित कर उनका मुँह मीठा कराया और सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राघवेंद्र ने कठिन परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। सम्मान के दौरान राघवेंद्र सिंह परमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने बड़े भाई, परिवारजनों, गुरुजनों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि ष्अथक परिश्रम, निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। लक्ष्य निर्धारित करने के बाद पूरी एकाग्रता और धैर्य के साथ तैयारी करें। सफलता मिलने में समय लग सकता है, लेकिन यदि प्रयास ईमानदार और निरंतर हों तो मंजिल अवश्य मिलती है। राघवेंद्र की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, मित्रों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 7 अगस्त को पंजीयन की अंतिम तिथि 25 जुलाई

छतरपुर। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सहयोग से जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता इस वर्ष 7 अगस्त 2026 को आयोजित होगी। जिला शिक्षा अधिकारी पी के रैकवार ने बताया कि कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया के मार्गदर्शन में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पर्यटन एवं संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस क्विज प्रतियोगिता में प्रत्येक स्कूल से तीन छात्रों की एक टीम आमंत्रित है। 7 अगस्त 2026 को लिखित परीक्षा के बाद 6 टीमें चयनित कर उसी दिन मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। मल्टीमीडियों राउण्ड के लिए चयनित 6 विजेता टीमों को मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निःशुल्क पर्यटन स्थलों को घूमने का मौका मिलेगा। क्विज प्रभारी डिप्टी कलेक्टर आयशा अंसारी ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके हैं जिनकी अंतिम तिथि 25 जुलाई 2026 है। सभी शासकीय एवं अशासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल अपने.अपने विद्यालय के तीन छात्रों की एक टीम का पंजीयन निर्धारित तिथि के पूर्व पर्यटन बोर्ड पोर्टल पर करा सकते हैं। पंजीयन की लिंक प्राचार्यों को उपलब्ध करा दी गई है।

रिश्वत लेने के मामले में आरआई पर गिरी निलंबन की गाज

छतरपुर। जिले में राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार बढता जा रहा है बिना पैसे के कोई काम नहीं होता है जिससे आम जनमानस परेशान है। राजस्व विभाग में पटवारी से लेकर आरआई तक भ्रष्टाचार के मामले में मशगूल है। रिश्वत खोरी का एक मामला बकस्वाहा क्षेत्र का सामने आया है जहां पर आरआई द्वारा रिश्वत ली गई और यह बीडियो बायरल होने पर कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से उसे निलंबित कर दिया। जानकारी के अनुसार बकस्वाहा तहसील के अंतर्गत राजस्व निरीक्षक मण्डल बाजना के आरआई कुंजीलाल प्रधान का एक बीडियो सोशल मीडिया में बायरल हुआ। इस बीडियो में वह किसानों को भूमि का कब्जा दिलाने के नाम पर पैसा लेते और पैसों के लेनदेन की बातचीज करते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहे है। इस मामले में तहसीलदार बकस्वाहा द्वारा 8 जुलाई 2026 को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और वायरल बीडियो की जांच में रूपए लेने का आरोप सही प्रणामित पाया गया। जिस पर कलेक्टर छतरपुर ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा कि राजस्व निरीक्षक कुंजीलाल प्रधान का यह कृत्य शासकीय सेवा के कदाचरण और गंभीर लापरवाही का परिचायक है। आरआई का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 उपनियम (1)(2)(3) के तहत दणनीय है इसलिए तत्काल प्रभाव से निलबिंत कर दिया है और निलंबन की अवधि में आरआई कुंजीलाल का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय भू-ससाधन प्रबंधन छतरपुर नियत किया गया है।

कैंडी गांव के पास ट्रक ने आयशर वाहन को पीछे से मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल

छतरपुर। छतरपुर-नौगांव मार्ग पर स्थित कैंडी गांव के पास गुरुवार की सुबह हुए सड़क हादसे में आयशर वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, डबरा निवासी हाकिम अपनी आयशर गाड़ी लेकर जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि आयशर वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक हाकिम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया गया।

व्यापारियों और किरायेदारों के पुलिस सत्यापन के लिए कैट ने शुरू किया जागरूकता अभियान

छतरपुर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छतरपुर द्वारा व्यापारियों एवं उनके प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों तथा घरों में निवासरत किरायेदारों के पुलिस सत्यापन को लेकर जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। इस संबंध में पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री गोविंददास असाटी के कार्यालय में आयोजित बैठक में अभियान की रूपरेखा तय की गई।

कैट के जिलाध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि जिलेभर के व्यापारियों को पुलिस सत्यापन के महत्व से अवगत कराने के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कैट के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर व्यापारियों से संपर्क कर रहे हैं और कर्मचारियों व किरायेदारों के पुलिस सत्यापन के लिए आवश्यक सत्यापन प्रपत्र भी वितरित कर रहे हैं।

बैठक में कहा गया कि प्रत्येक व्यापारी अपनी दुकान में कार्यरत कर्मचारियों और घरों में रहने वाले किरायेदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं। इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, संभावित आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिलेगी तथा व्यापारी वर्ग भी स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस करेगा।

कैट पदाधिकारियों ने सभी व्यापारियों से जनहित एवं सुरक्षा से जुड़े इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि वे

पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराएं और अन्य व्यापारियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बैठक में कैट के पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री गोविंददास असाटी, जिला अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, राजीव रूसिया, प्रकाशचंद्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में किसान परिवार पर हमला, तीन दिन बाद दर्ज हुआ मामला

बकस्वाहा। बम्होरी चौकी क्षेत्र के ग्राम देवपुर में जमीनी विवाद को लेकर किसान परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल किसान राजेश राय का सागर जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पड़ोसी साहू परिवार कम कीमत पर जमीन बेचने का दबाव बना रहा था और मना करने पर उनके परिवार पर हमला कर दिया गया।

राजेश राय के अनुसार बलदेव साहू, धर्म साहू, रघुवीर साहू, कन्हैया साहू, श्रीराम साहू सहित चार महिलाओं ने उन पर, उनकी पत्नी राजकुमारी और बेटे सत्यम के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। उनका आरोप है कि घटना के दौरान डायल-112 पर सूचना देने के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। साथ ही, घटना का वीडियो बना रहे उनका मोबाइल भी आरोपियों ने तोड़ दिया।

पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद वह लगातार तीन दिनों तक बम्होरी चौकी के चक्कर लगाते रहे, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। इसके बाद बकस्वाहा थाने पहुंचने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। घायल किसान का उपचार सागर जिला अस्पताल में जारी है।पीड़ित परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, यह समाचार पूरी तरह पीड़ित पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। पुलिस की ओर से मामले में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया आना शेष है।

बारिश से निखरा जटाशंकर धाम, झरनों और गोमुख की प्रबल धार ने बढ़ाई आस्था

निःशुल्क बीज वितरण में गड़बड़ी के आरोप, किसानों का हंगामा; जांच की उठी मांग

नौगांव/छतरपुर। मध्य प्रदेश शासन की खरीफ सीजन के लिए किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने की योजना नौगांव विकासखंड में विवादों के घेरे में आ गई है। कृषि विभाग पर बीज वितरण में अनियमितता, किसानों की अनदेखी और बीज की कथित कालाबाजारी के आरोप लगने के बाद किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिली। आक्रोशित किसानों ने देर रात तक प्रदर्शन करते हुए मामले की शिकायत पुलिस से की और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

जानकारी के अनुसार नौगांव विकासखंड के लिए करीब 1200 क्विंटल मूंगफली बीज के अलावा मूंग, उड़द और अरहर के बीज उपलब्ध कराए गए थे। बीज वितरण के लिए मानपुरा और गरोली रोड स्थित दो केंद्र बनाए गए थे। किसानों का आरोप है कि पंजीयन कराने के बावजूद उन्हें कई दिनों से बीज नहीं दिया गया, जबकि रात के समय पिकअप वाहनों के माध्यम से बीज बाहर भेजकर 2000 से 3000 रुपये प्रति क्विंटल तक में बेचे जाने की चर्चाएं क्षेत्र में हैं।

किसानों का कहना है कि वे पिछले एक सप्ताह से कृषि विभाग कार्यालय और वितरण केंद्रों के लगातार चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में किसान पूरे दिन बीज मिलने का इंतजार करते रहे। देर रात तक वितरण नहीं होने पर नाराज किसान करीब 11 बजे नौगांव थाने पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की।

किसानों ने बताया कि बीज मिलने की उम्मीद में कई लोग पूरी रात वेयरहाउस के बाहर खुले में पड़े रहे। इस दौरान अंधेरे में सांप निकलने जैसी घटनाएं भी सामने आईं, लेकिन किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने उनकी कोई सुध नहीं ली।

मामले की जानकारी मिलने पर महाराजपुर क़े पूर्व विधायक नीरज दीक्षित कृषि विभाग कार्यालय पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा कर अधिकारियों से जवाब मांगा तथा आरोप लगाया कि किसानों के लिए सरकार द्वारा भेजा गया निःशुल्क बीज दलालों के माध्यम से बाजार में बेचा जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बुंदेलखंड के केदारनाथ में उमड़ी श्रद्धा, सावन से पहले प्रकृति और आस्था का अद्भुत संगम

छतरपुर। जिले में हुई तेज बारिश के बाद बुंदेलखंड के केदारनाथ के नाम से प्रसिद्ध श्री जटाशंकर धाम का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पहाड़ियों से बहते झरनों का पानी मंदिर परिसर तक पहुंचने लगा है, वहीं गोमुख से निकलने वाली प्राकृतिक जलधारा का प्रवाह भी पहले की अपेक्षा काफी तेज हो गया है। चारों ओर फैली हरियाली, कल-कल बहते झरने और प्राकृतिक वातावरण के बीच स्थित भगवान भोलेनाथ का यह प्राचीन धाम इन दिनों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

छतरपुर जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर तथा बिजावर तहसील से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित यह प्राचीन शिवधाम चारों ओर से ऊंची पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है। लगातार हुई बारिश के बाद पहाड़ियों से उतरता पानी मंदिर परिसर, गुफा, गोमुख और चौक तक पहुंच गया। जलधारा के तेज बहाव के कारण कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं को आवाजाही में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान जटाधारी भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे।

जटाशंकर धाम केवल प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक मान्यताओं के कारण भी विशेष महत्व रखता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कभी बुंदेलखंड के कुख्यात बागी रहे मूरत सिंह ने इसी धाम में भगवान शिव के चरणों में अपने हथियार समर्पित कर आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद उन्होंने अपना अधिकांश जीवन जटाशंकर धाम में भगवान शिव की भक्ति और सेवा में बिताया। यह प्रसंग आज भी स्थानीय लोगों के बीच श्रद्धा और परिवर्तन के प्रतीक के रूप में सुनाया जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि जटाशंकर धाम के गोमुख से वर्षभर प्राकृतिक जलधारा प्रवाहित होती रहती है, जिससे भगवान शिव का निरंतर जलाभिषेक होता है। मंदिर परिसर में स्थित तीनों पवित्र कुंड भी पूरे वर्ष जल से भरे रहते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार इन कुंडों में स्नान करने से त्वचा संबंधी रोगों सहित कई बीमारियों में लाभ मिलता है। हालांकि, इन दावों की वैज्ञानिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। यह धाम नवविवाहित दंपतियों के पूजन, बच्चों के मुंडन संस्कार और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां भगवान भोलेनाथ को खोवा (मावा) से बने कलाकंद का प्रसाद अर्पित करने की परंपरा है। प्राकृतिक सौंदर्य, स्वच्छ वातावरण और पहाड़ों के बीच स्थित दिव्य शिवधाम का दर्शन करने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

सावन माह के आगमन के साथ जटाशंकर धाम में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़वे की उम्मीद है। स्थानीय अनुमान के अनुसार सावन के दौरान प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु यहां दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। बारिश के बाद निखरे इस प्राकृतिक और धार्मिक स्थल ने एक बार फिर बुंदेलखंड की आस्था और पर्यटन की पहचान को नई ऊंचाई प्रदान की है।

नाबालिग बेटी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मां पहुंची एसपी कार्यालय

छतरपुर। बड़ामलहरा निवासी एक महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी नाबालिग पुत्री के कथित अपहरण मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की। महिला का कहना है कि उसकी कक्षा 9वीं में पढऩे वाली बेटी को 5 जून 2026 को परीक्षा के दौरान बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। इस संबंध में बड़ामलहरा थाने में मामला दर्ज होने के बावजूद अब तक न तो उसकी बेटी की बरामदगी हो सकी है और न ही नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।

पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि उसकी बेटी को बंधक बनाकर रखा गया, उसके साथ शारीरिक शोषण किया गया तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। महिला का यह भी आरोप है कि मामले में नामजद आरोपियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे कार्रवाई प्रभावित हो रही है। महिला ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने

तथा नाबालिग पुत्री को सुरक्षित बरामद कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की भी गुहार लगाई है। मामले में पुलिस का पक्ष सामने आना अभी शेष है।

बाइक, 2 लाख नकद और सोने-चांदी के जेवर ले उड़े चोर, गेहूं-दाल तक नहीं छोड़ी

छतरपुर। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सौरा रोड स्थित मित्तल कॉलेज के समीप एक सूने मकान में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और नकदी, जेवरात, मोटरसाइकिल सहित अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इतना ही नहीं, घर में रखा गेहूं और दाल भी अपने साथ ले गए।

जानकारी के अनुसार, मकान मालिक चंदा अहिरवार अपने पति बबलू के साथ दौनी गांव गई हुई थीं, जबकि किरायेदार तारिक रायन मुंबई गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया। चोर घर से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (एमपी 16 जेडसी 4905), करीब एक तोला सोने की चेन, लगभग 250 ग्राम चांदी की पायल-बिछिया, वाहन

की किस्त जमा करने के लिए रखे करीब दो लाख रुपये नकद सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए।

पड़ोसियों ने घर के ताले टूटे देख घटना की सूचना चंदा अहिरवार को दी। सूचना मिलते ही वह परिवार के साथ घर पहुंचीं, जहां अंदर का सामान बिखरा पड़ा मिला। पीड़िता के अनुसार चोरी में करीब पांच लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना तत्काल डायल-112 और कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है, जबकि अन्य आरोपियों और चोरी गए सामान की तलाश जारी है।

पत्नी ने पति पर लगाया रस्सी से गला घोंटकर हत्या के प्रयास का आरोप, एसपी कार्यालय पहुंचकर मांगी सुरक्षा

छतरपुर। जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र से घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने पति पर रस्सी से गला घोंटकर हत्या करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़िता गले पर फंदे के निशान के साथ अपने तीनों बच्चों को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और पति सहित ससुराल पक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई एवं सुरक्षा की मांग की।

पीड़िता ने बताया कि उसका पति लंबे समय से उसके साथ मारपीट और प्रताडना करता आ रहा है। आरोप है कि हाल ही में पति ने रस्सी से उसका गला घोंटकर जान लेने की कोशिश की। महिला का कहना है कि यदि उसकी बेटी समय पर बीच-बचाव नहीं करती तो उसकी जान चली जाती। उसने आरोप लगाया कि पति के अलावा सास और ससुर भी उसे लगातार प्रताड़ित करते हैं तथा घर से निकालना चाहते हैं। महिला ने कहा कि अब वह ससुराल वापस नहीं जाएगी, क्योंकि वहां उसकी जान को खतरा है।

पीड़िता की बेटी चंद कुशवाहा ने बताया कि उसकी मां मातगुवां में फल और सब्जी की दुकान लगाकर परिवार का पालन-पोषण करती हैं। घटना वाले दिन मां दुकान से घर लौटीं, तभी पिता ने उन पर हमला कर रस्सी से गला घोंटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर वह मौके पर पहुंची और किसी तरह मां को बचाया। घटना के बाद से पीड़िता अपने तीनों बच्चों के साथ छतरपुर स्थित मायके में रह रही है।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद वह शिकायत लेकर मातगुवां थाने पहुंची थी, लेकिन वहां उसकी शिकायत पर तत्काल सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वह न्याय की गुहार लेकर एसपी कार्यालय पहुंची। उसने पुलिस अधीक्षक से पति एवं ससुराल पक्ष के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इधर, मामले में मातगुवां थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 115(2) एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट और कट्टा दिखाकर धमकी देने के मामले में पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। अलीपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत करारागंज निवासी कैलाश खंगार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दबंगों द्वारा घर में घुसकर जानलेवा हमला करने और स्थानीय पुलिस द्वारा आरोपियों को बचाने की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित द्वारा सौंपे गए आवेदन के अनुसार, मोटरसाइकिल खराब करने के विवाद को लेकर बीते दिनों कल्लू खंगार, रामकृपाल खंगार, उपेन्द्र खंगार और चंदन परिहार आदि ने रात के समय उसके घर में जबरन प्रवेश किया। आरोपियों ने लाठी-डंडों, लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट करते हुए पीड़ित को घर के बाहर घसीटा और जातिसूचक गालियां दीं। इस हमले में पीड़ित के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया तथा सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जबकि आरोपी चंदन परिहार ने कट्टा तानकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि अलीपुरा थाना पुलिस ने आरोपियों से साठगांठ कर एफआईआर में कट्टे के उल्लेख और कुछ मुख्य आरोपियों मिथुन, राहुल व चंदन के नाम छोड़ दिए हैं। इसके साथ ही आरोपी

लगातार राजीनामा करने का दबाव बनाकर धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने एसपी से छूटे हुए आरोपियों के नाम विवेचना में बढ़ाने और उनकी शीघ्र गिरफ्तारी कराने की मांग की है।

खेत पर महिला से छेड़खानी और मारपीट, थानों के चक्कर काटने के बाद पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

छतरपुर। जिले क़े राजनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इमलिया की रहने वाली एक गरीब पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दबंग द्वारा छेड़खानी, मारपीट करने और पुलिस द्वारा मामला दर्ज न करने की गंभीर शिकायत की है। एसपी को सौंपे गए आवेदन में पीड़िता ने बताया कि वह 8 जुलाई 2026 की दोपहर अपने खेत पर थी, तभी बगल के खेत के रहने वाले विनोद पंडित ने बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया और जबरन खींचने लगा। महिला के विरोध करने और चिल्लाने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की, गर्दन दबाई और जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। घटना की जानकारी पति को देने के बाद जब पीड़ित दंपत्ति राजनगर थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें तीन घंटे बैठाकर रखने के बाद महिला थाने छतरपुर भेज दिया। आरोप है कि महिला थाने और फिर सटई थाने के चक्कर काटने के बावजूद भी पुलिस ने आरोपी पक्ष के प्रभाव में आकर एफआईआर दर्ज नहीं की। थानों से निराश होकर पीड़िता ने गुरुवार को एसपी से मिलकर अपनी जान-माल की रक्षा करने और दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

महिला एवं बाल विकास विभाग राजनगर में अव्यवस्थाओं की तस्वीर कार्यालय के बाहर जलभराव

खजुराहो। राजनगर स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में बारिश के बाद अव्यवस्थाओं की तस्वीर सामने आई है। कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने जलभराव होने से कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं योजनाओं का लाभ लेने आने वाले हितग्राहियों को पानी से होकर कार्यालय में प्रवेश करना पड़ रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच विभाग की परियोजना अधिकारी रजनी शुक्ला के कार्य व्यवहार को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। वहाँ मौजूद लोगों का कहना है कि कई बार उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया,

लेकिन वे कॉल रिसीव ही नहीं करती,जब इस संबंध में कार्यालय पहुंचकर जानकारी ली गई तो परियोजना अधिकारी ने साफ तौर पर कहा कि शासन-प्रशासन मुझे मोबाइल नहीं देता,यह मेरा निजी मोबाइल है, इसलिए मैं कॉल रिसीव नहीं करती,मेरी जिम्मेदारी विभाग के प्रति है न कि अन्य के प्रति उनके इस बेवाक कथन के बाद आम हितग्राही अपनी समस्याओं के समाधान के लिए किससे संपर्क करे ये समझ से परे है। लोगों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी फोन पर उपलब्ध नहीं रहेंगे और समय पर कार्यालय में नहीं मिलेंगे तो आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वहीं कार्यालय में अंदर प्रवेश करने के लिए बारिस के भरे कीचड़ और पानी से गुजरना पड़ेगा तो शर्म का विषय क्योंकि इस कार्यालय में ज्यादातर महिलाओं का आना जाना होता है, वहां मौजूद कुछ महिला हितग्राहियों ने बताया कि ये केवल अभी की समस्या नहीं है,बल्कि उक्त समस्या वर्षों से लगातार बनी हुई है,इसके अतिरिक्त उक्त भवन पर विभाग के नाम का उल्लेख नहीं है जिससे महिलाएं इधर उधर भटकती रहती हैं।

क्षेत्र के लोगों की जिला प्रशासन से मांग की है कि कार्यालय परिसर में जल निकासी की उचित व्यवस्था कराई जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय अधिकारी आमजन और हितग्राहियों के मोबाइल पर उपलब्ध रहें,जिससे हितग्राहियों को अनावश्यक भटकना न पड़े।

खबर संक्षेप

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को मिला प्रमोशन, एसोसिएट से बन गए प्रोफेसर

रीवा। श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की मुरादें बिन मांगे ही पूरी हो गईं। सरकार के आदेश के बाद सह प्राध्यापकों को प्राध्यापक पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। पहली लिस्ट में सिर्फ 6 के नाम सामने आए हैं। अभी कई औरों का भी प्रमोशन आदेश जारी होना शेष है। इसके अलावा तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को भी प्रमोशन मिलने वाला है आपको बता दें कि सरकार ने सभी विभागों में प्रमोशन देने का निर्णय लिया है। धड़ाधड़ सभी विभागों में उच्च पदों पर प्रमोशन दिया जा रहा है। इस आदेश से श्याम शाह मेडिकल कॉलेज भी अछूता नहीं रह गया है। वीसी में आयुक्त और प्रमुख सचिव ने तीन दिन के अंदर ही सभी कर्मचारियों और डॉक्टरों का प्रमोशन आदेश जारी करने को कहा था। वीसी में मिले आदेश के बाद कॉलेज के डीन ने सभी डॉक्टरों को पत्र जारी कर आवेदन मांगा था। अब प्रमोशन आर्डर जारी किया जा रहा है। पहली किस्त में 6 लोगों के आदेश पहुंच चुके हैं। शेष का आदेश होना बाकी है। जल्द ही उनका भी नंबर लग जाएगा। इसके बाद फिर बाबुओं के प्रमोशन की बारी आएगी। लिपिकों को भी प्रमोशन आदेश मिलने का बड़ी बेसब्री से इंतजार है।
श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में शिशु रोग विभाग में पदस्थ डॉ करण जोशी को सह प्राध्यापक से प्राध्यापक बनाया गया है। इसी तरह सर्जरी विभाग में पदस्थ डॉ अतुल सिंह को प्रोफेसर पद पर प्रमोट किया गया है। इसके अलावा रेडियोलॉजी विभाग में डॉ अमरीश शुक्ला को प्रोफेसर का पद खाली होने पर प्रमोट किया गया है। इसके अलावा एक पद पैथालॉजी विभाग में डॉ एसके सूत्रकार को भी प्रोफेसर पद पर प्रमोशन दिया गया है। बर्न यूनिट से डॉ सौरभ सक्सेना को प्रोफेसर पद पर प्रमोट किया गया है। इसके अलावा एक और चिकित्सक का भी प्रमोशन हुआ है। अभी गायनी विभाग में प्रमोशन का आदेश जारी नहीं हो पाया है। गायनी विभाग में डॉ बीनू सिंह के जाने के बाद एक पद रिक्त है। डॉ पद्मा शुक्ला का नाम प्रमोशन की लिस्ट में सबसे ऊपर चल रहा है।

गुजरात जैसे विकसित राज्य के लिए कर्ज से डूबे हुए प्रदेश पर आर्थिक बोझ डालना सरासर गलतः अजय खरे

रीवा। सरदार सरोवर बांध प्रोजेक्ट विवाद में मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने गुजरात और केन्द्र सरकार के दवाब में मुआवजे की 7669 करोड़ रुपए की बड़ी राशि पर अपना दावा छोड़कर भारी भरकम कर्ज और आर्थिक तंगी से जूझ रही प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को और अधिक घाटे में डाला है। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि सरदार सरोवर बांध का शिलान्यास सन 1961 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया था। कालांतर में इस बांध की ऊचाई को बढ़ाए जाने से मध्यप्रदेश को सबसे अधिक समस्याओं से जूझना पड़ा है। बड़े पैमाने पर जल जंगल जमीन और जन डूब क्षेत्र में आने से उसकी भरपाई आज तक संभव नहीं हो पाई। मध्यपदेश के लाखों लोगों का विस्थापन किसी भयावह त्रासदी से कम नहीं है। ऐसे लोगों को आज तक सही राहत नहीं मिल पाई है।

कमिश्नर ने एक करोड़ से अधिक के निर्माण कार्य की समीक्षा

सड़क, ब्रिज निर्माण से लेकर भवन तक के कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण किए जाएं - कमिश्नर

कार्य न करने वाले कांट्रेक्टरों पर लगेगी पेनाल्टी

रीवा। रीवा संभाग कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण से लेकर भवन निर्माण एवं ब्रिज निर्माण तक के कार्य अपने तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण किये जाएं। किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब न हो, साथ ही निर्माण कार्य को लेकर गंभीरता न रखने वाले एवं अपूर्ण कार्य करने वाले कॉन्ट्रैक्टरों पर पेनाल्टी भी प्राथमिकता से लगाई जाए। कमिश्नर शीलेंद्र सिंह गुरुवार को एक करोड़ से अधिक के निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में सतना एवं सिंगरौली के लोक निर्माण विभाग के ईई की अनुपस्थिति पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए कमिश्नर ने उक्त दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, मध्य प्रदेश सेतु विकास निगम, भवन विकास निगम आदि विभाग के एक करोड रुपए से अधिक की राशि के स्वीकृत निर्माणधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए की वे 6 सी टाइप भवन, 12 ई टाइप भवन, मार्तंड क्रमांक 2 विद्यालय में नवीन 6 क्लास रूम का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करें, साथ ही उन्होंने निर्देश दिए की हाउसिंग बोर्ड 16 एफ टाइप भवन, 48 जी टाइप भवन, 1 डी टाइप एवं 48 एच टाइप भवन का निर्माण कार्य भी समय सीमा में पूर्ण करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी कॉन्ट्रेक्टर से संपर्क कर उन्हें निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश जारी करें। बैठक में बताया गया कि सिरमौर चौक रीवा में 48 दुकानों का निर्माण कार्य, सिविल लाइन रीवा में हाकर्स जोन एवं पार्क का निर्माण कार्य, जिला चिकित्सालय में ओपीडी और धर्मशाला निर्माण तथा परिसर का विकास कार्य, वेंकट क्लब में नवीन भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं संबंधित एजेंसी को हस्तांतरित भी कर दिया गया है। कमिश्नर ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा बनाए जा रहे आरओबी और वीयूपी के शेष कार्यों का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने एनएच 75 ई सीधी-सिंगरौली खंड भरतपुर भैंसरहा से गोविंदगढ़ जिगना मार्ग का निर्माण कार्य भी समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। ब्रिज कार्पोरेशन के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने रीवा शहर में ढेकहा तक फ्लाइ ओवर पुल, खड्डा से मुड़यिारी रोड में बीहर नदी पुल निर्माण, केरहा घाट पर पुल निर्माण, नैना नदी पर पुल निर्माण, काकरघाट में बीहर नदी पर पुल निर्माण के कार्य की समीक्षा की और निर्देश दिए की निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता से और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करा लिए जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की हर निर्माण कार्य में क्वालिटी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। कमिश्नर ने मैहर, अमरपाटन, नागौद, रामनगर में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल(सांदीपनि स्कूल) के निर्माण कार्यों की जानकारी ली और पीआईयू के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट के अभाव में कोई भी कार्य न रुकने पाए।

अस्पताल चौक बनेगा शहर का मॉडल सार्वजनिक स्थल

अतिक्रमण पर सख्ती, ठेला-गुमटियों का होगा सर्वे

रीवा। शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील अस्पताल चौक की तस्वीर अब बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। मरीजों, उनके परिजनों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने अस्पताल चौक को मॉडल सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने की पायलट कार्ययोजना तैयार की है। इस योजना के तहत अतिक्रमण हटाने, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था में सुधार, ठेला-गुमटियों का सर्वे कर उन्हें व्यवस्थित करने के साथ ही दीनदयाल रसोई और आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाया जाएगा। बुधवार को नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने अधिकारियों के साथ अस्पताल चौक का निरीक्षण कर मौके पर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त ने कहा कि अस्पताल चौक शहर का ऐसा प्रमुख स्थान है, जहां प्रतिदिन हजारों लोग आते-जाते हैं। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय सहित आसपास स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के लिए जिले के अलावा विंध्य क्षेत्र के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी मरीज पहुंचते हैं। ऐसे में यहां यातायात का दबाव, अस्थायी अतिक्रमण, अव्यवस्थित ठेले-गुमटियां, स्वच्छता और पेयजल जैसी समस्याएं लगातार बनी रहती हैं। इन सभी समस्याओं का स्थायी समाधान करने के उद्देश्य से अस्पताल चौक को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि भविष्य में शहर के अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी इसी मॉडल को लागू किया जा सके। आयुक्त ने अतिक्रमण के खिलाफ नियमित अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि नगर निगम का अतिक्रमण निरोधक दल प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक सक्रिय रहेगा। इस दौरान सड़क और फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए जाएंगे, जिससे मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात भी सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दोबारा अतिक्रमण न हो इसके लिए नियमित निगरानी भी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल चौक के आसपास संचालित ठेला एवं गुमटियों का सर्वे कराने के निर्देश भी दिए गए। सर्वे के आधार पर सभी ठेला और गुमटी संचालकों की सूची तैयार की जाएगी तथा उनके संचालन के लिए निर्धारित स्थान और सीमा तय की जाएगी, ताकि रोजगार भी प्रभावित न हो और सड़क तथा फुटपाथ पर अव्यवस्था भी न फैले। इसके साथ ही आश्रय स्थल के सामने लगी क्षतिग्रस्त सुरक्षा जाली को तत्काल बदलने के निर्देश दिए गए, जिससे दुर्घटना की आशंका समाप्त हो सके। नगर निगम आयुक्त ने स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल क्षेत्र में सुबह की पाली में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए और नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा सफाई और जलापूर्ति व्यवस्था की प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

दीनदयाल रसोई और आश्रय स्थल का लिया गया जायजा

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने दीनदयाल रसोई और आश्रय स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने आश्रय स्थल में दैनिक पंजी नियमित रूप से संधारित करने, सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने के निर्देश दिए। साथ ही दीनदयाल रसोई में आने वाले जरूरतमंद लोगों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने और साफ-सफाई बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। नगर निगम का मानना है कि अस्पताल चौक को व्यवस्थित करने की यह पहल न केवल शहर की यातायात और स्वच्छता व्यवस्था में सुधार लाएगी, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों को भी राहत मिलेगी। यदि यह पायलट योजना सफल रहती है तो शहर के अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी इसी मॉडल के आधार पर विकास कार्य किए जाएंगे।

ग्वालियर स्पेशल ट्रेन हुई शुरू, पहली यात्रा में यात्रियों का उत्साह, करीब 500 लोगों ने किया सफर

सांसद प्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रीवा। विंध्य अंचल और ग्वालियर के बीच सीधी रेल सेवा की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई। रेलवे द्वारा 22 ट्रिप के लिए शुरू की गई रीवा-ग्वालियर स्पेशल ट्रेन बुधवार को पहली बार रीवा रेलवे स्टेशन से ग्वालियर के लिए रवाना हुई। पहली ही यात्रा में यात्रियों का उत्साह देखने को मिला और करीब 500 यात्री ट्रेन में सवार होकर ग्वालियर के लिए रवाना हुए। इससे पहले सुबह ग्वालियर से अपने निर्धारित समय पर चली ट्रेन शाम 7:49 बजे रीवा पहुंची, जहां यात्रियों और रेल अधिकारियों ने नई सेवा का स्वागत किया। रीवा-ग्वालियर के बीच सीधी रेल सेवा शुरू होने से दोनों क्षेत्रों के बीच आवागमन अब पहले की तुलना में अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगा। अब तक यात्रियों में को को दूसरे शहरों के रास्ते ट्रेन बदलकर यात्रा करनी पड़ती थी या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता था। नई स्पेशल ट्रेन के संचालन से विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और इलाज के लिए आने-जाने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे के अनुसार यह स्पेशल ट्रेन फिलहाल 22 ट्रिप के लिए संचालित की जा रही है। ग्वालियर से ट्रेन सुबह 7:45 बजे रवाना होकर लगभग आठ घंटे का सफर तय करते हुए शाम 7:49 बजे रीवा पहुंचती है। निर्धारित ठहराव के बाद रात में रीवा से वापस ग्वालियर के लिए रवाना होती है और अगले दिन सुबह अपने गंतव्य पर पहुंचती है। यात्रा के दौरान ट्रेन कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ठहराव करेगी, जिससे मार्ग के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। पहले दिन ही बड़ी संख्या में यात्रियों के सफर करने से यह साफ हो गया कि इस रेल सेवा की क्षेत्र में लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। यात्रियों ने नई ट्रेन शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे समय और धन दोनों की बचत होगी। खासकर ग्वालियर और रीवा के बीच शिक्षा, व्यापार, चिकित्सा और पारिवारिक कारणों से यात्रा करने वाले लोगों के लिए यह सेवा काफी उपयोगी साबित होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्पेशल ट्रेन के संचालन के दौरान यात्रियों की संख्या और प्रतिक्रिया का लगातार आकलन किया जाएगा। यदि यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिलता है तो भविष्य में इस ट्रेन को नियमित रूप से चलाने की संभावना पर भी विचार किया जा सकता है। पहली यात्रा में मिले उत्साहजनक प्रतिसाद ने यह संकेत दिया है कि रीवा और ग्वालियर के बीच सीधी रेल सेवा की मांग वास्तविक और व्यापक है।

रामंदिर में चढ़ावा चोरी पर महिला कांग्रेस पहुंची हनुमान जी के पास, सुंदरकांड का किया पाठ एक दिन का रखा उपवास, सद्बुद्धि यज्ञ भी किया

रीवा। अयोध्या में भगवान राम मंदिर में हुई चढ़ावा की चोरी को लेकर पूरे देश में हल्ला मचा हुआ है। रामभक्तों में काफी आक्रोश है। अब इसी चढ़ावा चोरी को कांग्रेस मुद्दा बना ली है। भाजपा सरकार को निशाने पर ली है। रीवा में भगवान राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी को लेकर महिला कांग्रेस ने बोदाबाग हाउसिंग बोर्ड कालोनी के पास मौजूद हनुमान मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया। साथ ही उपवास करके हनुमान जी से प्रार्थना कर रहे हैं कि भाजपा और देश के पीएम मोदी को सद्बुद्धि प्रदान करें। महिला कांग्रेस ने एक दिन का उपवास रखा है। मंदिर परिसर में ही सद्बुद्धि यज्ञ काभी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी महिला पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहीं। महिला कांग्रेस ने चढ़ावा चोरी मामले में भाजपा और पीएम मोदी की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने इस चोरी को हिंदुओं की आस्था पर ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है। महिला कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है कि चढ़ावा चोरी के कारण पूरा देश आहत है। पहले भगवान राम और मंदिर के नाम पर सरकार में आई। अब इसी मंदिर में चढ़ावा चोरी किया जा रहा है। भाजपा से मुक्ति दिलाने के लिए महिला कांग्रेस हनुमान जी के शरण में पहुंची है।

संस्था प्रभारियों को उल्लास नवभारत साक्षरता पर दिया गया प्रशिक्षण

रीवा। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मार्तंड क्रमांक 1, रीवा मे विकासखंड के 9 जन शिक्षा केदो के समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रभारी एवं शिक्षकों को 8 एवं 9 जुलाई को प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला में प्राचार्य जेपी जायसवाल, बुद्धि प्रकाश त्रिपाठी, अमित द्विवेदी, वंदना द्विवेदी, दीपक मिश्रा , रवि धर द्विवेदी, प्रमोद सिंह, केके मिश्रा, प्रशांत शुक्ला, रामकृष्ण द्विवेदी शिवेंद्र श्रीवास्तव, रामशरण सोनी इत्यादि जन शिक्षक उपस्थित रहे 1 डीपीसी राजेश तिवारी ने कार्यशाला मे 15 +उम्र के लोगों को साक्षर बनाने और स्कूलों में शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुधारने पर जोर दिया 1 गंगा प्रसाद पांडे, डॉ राजेश शुक्ला एवं विशाल शुक्ला ने भी साक्षरता का प्रशिक्षण दिया। बीआरसी दीपेंद्र सिंह ने आभार व्यक्त किया।

गुढ़ क्षेत्र के सूनसान रास्तों पर लुटेरों का आतंक भय के साये में राहगीर पुलिस गश्त बढ़ाने की उठी मांग

रीवा। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मुख्य ग्रामीण मार्गों पर इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद हैं भीटी-बड़ागांव मार्ग एवं महसांव गोरगी मार्ग पर विगत कुछ दिनों से लगातार राहगीरों के साथ लूटपाट और झपटमारी की घटनाएं सामने आ रही हैं।इन मार्गों पर पसरे सन्नाटे का फायदा उठाकर अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है।हम आपको बता दें कि भीटी से बड़ागांव जाने वाला मार्ग और महसांव से गोरगी को जोड़ने वाला मार्ग कई जगहों पर बेहद सुनसान है।सड़क के दोनों ओर झाड़ियां पेड़ और आबादी न होने के कारण शाम ढलते ही यहाँ सन्नाटा पसर जाता है।इसी भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर शातिर अपराधी हथियारों के बल पर राहगीरों को रोकते हैं और उनके पास मौजूद नकदी मोबाइल फोन सोने चांदी के जेवरात और गाड़ियां तक लूटकर फरार हो जाते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इन रास्तों पर शाम 7 बजे के बाद निकलना खतरे से खाली नहीं रह गया है।विगत दिनों में इन दोनों मार्गों पर कई ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं जिनमें कामकाजी लोग किसान और राहगीर लूट का शिकार हुए हैं।पीड़ितों का कहना है कि लुटेरे दोपहिया वाहनों पर सवार होकर आते हैं और वारदात को अंजाम देकर पलक झपकते ही जंगलों और कच्चे रास्तों के सहारे भाग निकलते हैं।बार बार हो रही इन वारदातों से स्थानीय व्यापारियों नौकरीपेशा लोगों और विशेषकर महिलाओं में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।क्षेत्र की आम जनता जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी से इन संवेदनशील मार्गों पर तुरंत सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त - कलेक्टर

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में आज जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सूचकांकों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर अत्यंत सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि जनता के स्वास्थ्य से जुड़े सभी पहलू आपकी प्राथमिकता में शामिल होने चाहिए। कलेक्टर ने पोर्टल पर स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों की प्रविष्टि में अनियमितता और लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि जो भी एएनएम पोर्टल पर गलत डेटा अपलोड कर रही हैं तो उन पर कार्रवाई प्रस्तावित करे। उन्होंने कहा कि डेटा की सत्यता और शुद्धता से ही वास्तविक स्थिति का आकलन संभव है, यदि आवश्यक डाटा ही गलत भरे जाएंगे तो हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन सही तरीके से नहीं हो पाएगा। इसलिए आंकड़ों में हेरफेर करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी ब्लॉक मेडिकल अधिकारियों को निर्देशित किया कि, किसी भी सेंटर पर चालू तिमाही में एक भी गर्भवती महिला का एएनसी पंजीयन और जांच नहीं छूटनी चाहिए। प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ एएनसी चेकअप का पूरा डेटा व्यवस्थित और सही तरीके से पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और उनके प्रबंधन पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसी महिलाओं की शत-प्रतिशत प्री-मार्किंग की जाए। उनकी डिलीवरी किस चिन्हांकित अस्पताल में होनी है, यह पहले से तय हो, ताकि जब आवश्यक हो तो उन्हें बिना किसी देरी के समय पर अस्पताल पहुँचाया जा सके। गंभीर रूप से एनीमिया से पीड़ित महिलाओं की पहचान कर उनका उचित चिकित्सकीय प्रबंधन किया जाए। नवविवाहित महिलाओं को आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से उनकी समग्र आईडी अनिवार्य रूप से बनवाई जाए, ताकि विवाह के बाद क्षेत्र में आईं महिलाओं को समय पर लाभ मिल सके। बैठक में बाल स्वास्थ्य के अंतर्गत शिशु मृत्यु समीक्षा तथा मातृ मृत्यु समीक्षा की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि टीकाकरण के सभी आंकड़ों को एचएमआईएस से यूविन पोर्टल पर शीघ्रता से दर्ज किया जाए। खसरा और पल्स पोलिया अभियान की तैयारियों को लेकर भी मुस्तैदी बरतने को कहा गया। जिले में संचालित सभी पोषण पुनर्वास केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई, जिसमें प्रभारियों को सक्रिय रहकर कुपोषित बच्चों के उपचार और पोषण स्तर में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, मलेरिया, कुष्ठ रोग तथा कार्यक्रमों की भी गहन समीक्षा की गई और तय लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने की चेतावनी दी गई। बैठक में डॉ यत्नेश त्रिपाठी सीएमएचओ रीवा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के बी गौतम, डॉ सीतेशु तिवारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी, बीएमओ डॉ आर के पाठक, डॉ एस डी कोल, डॉ नागेंद्र मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबधक राघवेंद्र मिश्रा, ऋषि राज गौतम उप जिला मीडिया अधिकारी, आकांक्षा सिंह सीपीएचसी, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, आदि उपस्थित रहे।

समाज सेवा पुलिस प्राइड अवॉर्ड्स 2026: भोपाल में मऊगंज एसडीओपी सचि पाठक सहित समाज सेवियों का हुआ सम्मान

मऊगंज भोपाल में आनादि न्यूज़ टीवी चैनल द्वारा आयोजित ₹समाज सेवा पुलिस प्राइड अवॉर्ड्स 2026 – खाकी का सम्मान, सेवा का अभिनंदन₹ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस विभाग के उत्कृष्ट अधिकारियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिले की एसडीओपी सचि पाठक को उत्कृष्ट पुलिस सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने पर जिले में खुशी का माहौल देखा गया और विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिकों तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ समाजसेवियों को भी समाज हित, जनकल्याण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य उन लोगों के कार्यों को पहचान देना था जो समाज और राष्ट्र की सेवा में निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।आयोजकों ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन पुलिस अधिकारियों और समाजसेवियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है जो अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, साहस और समर्पण के साथ करते हैं। पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करने की दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।आनादि न्यूज़ टीवी चैनल द्वारा यह सम्मान समारोह पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस मंच के माध्यम से पुलिस, प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित कर उनके योगदान को नई पहचान दी जाती है।

NAME CHANGE

I, Bhaiyalal Singh S/O: Buddhasen Singh,R/O 186, Madikala, Rewa, Madhya Pradesh - 486111, have changed the name of my minor Loli Singh aged 12 years and she shall hereafter be known as ABNI SINGH.